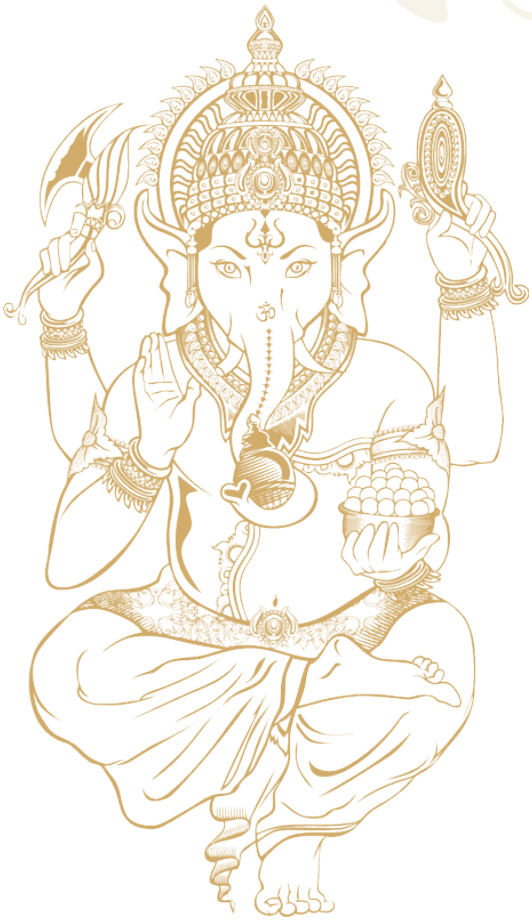

Mr.

22 Dec 2025

01:28 PM

Delhi

Model: Web-VarshDetails

Order No: 120654101

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
22/12/2025	जन्म तिथि	**22/12/2025**
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 13:28:00	जन्म समय	13:28:00 घंटे
घटी 15:43:49	जन्म समय(घटी)	15:43:49 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:10:28	सूर्योदय	07:10:28
17:29:17	सूर्यास्त	17:29:17
24:13:17	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:17
मेष	लग्न	मेष
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मकर	राशि	मकर
शनि	राशि-स्वामी	शनि
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	2
ध्रुव	योग	ध्रुव
तैतिल	करण	तैतिल
भो-भोजराज	जन्म नामाक्षर	भो-भोली
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	जलचर
नकुल	योनि	नकुल
मनुष्य	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	मूषक
0	गत/तत्कालिक वर्ष	1

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
अश्विनी	1	00:49:22	मेष			लग्न			मेष	00:49:22	1	अश्विनी
मूल	2	06:29:49	धनु			सूर्य			धनु	06:29:49	2	मूल
उत्तराषाढ़ा	2	01:43:13	मक			चंद्र			मक	01:43:13	2	उत्तराषाढ़ा
मूल	4	11:05:23	धनु		अ	मंगल		अ	धनु	11:05:23	4	मूल
ज्येष्ठा	1	19:59:25	वृश्चि			बुध			वृश्चि	19:59:25	1	ज्येष्ठा
पुनर्वसु	3	28:20:31	मिथु	व		गुरु	व		मिथु	28:20:31	3	पुनर्वसु
मूल	1	02:49:02	धनु		अ	शुक्र		अ	धनु	02:49:02	1	मूल
पू०भाद्रपद	4	01:27:25	मीन			शनि			मीन	01:27:25	4	पू०भाद्रपद
शतभिषा	4	17:16:03	कुंभ	व		राहु	व		कुंभ	17:16:03	4	शतभिषा
पू०फाल्गुनी	2	17:16:03	सिंह	व		केतु	व		सिंह	17:16:03	2	पू०फाल्गुनी
कृतिका	3	04:01:23	वृष	व		मु			मेष	00:49:22	1	अश्विनी

वर्ष - विवरण

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:17

लग्न-चलित

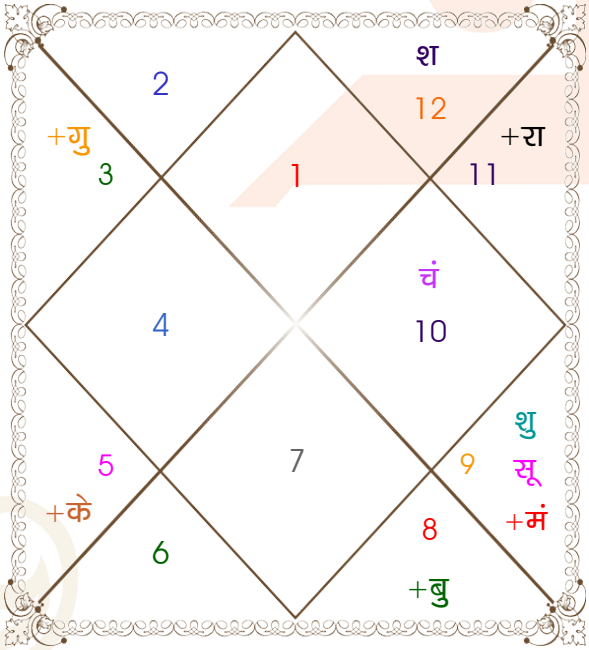

वर्ष लग्न कुंडली

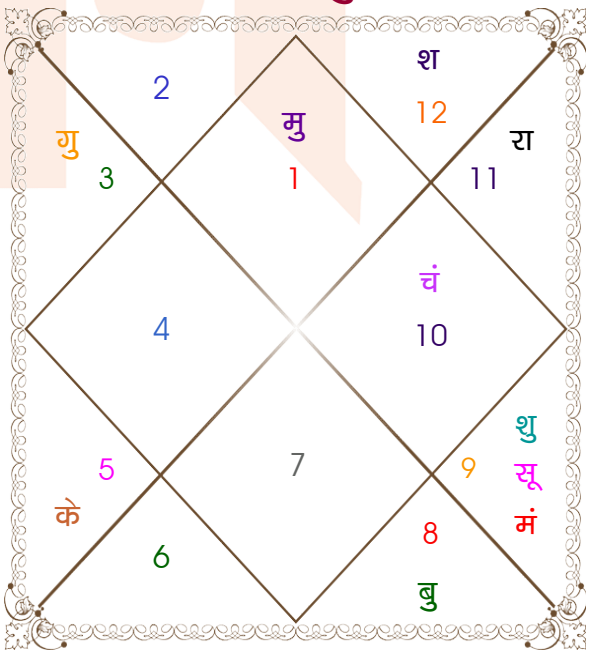

चन्द्र कुंडली

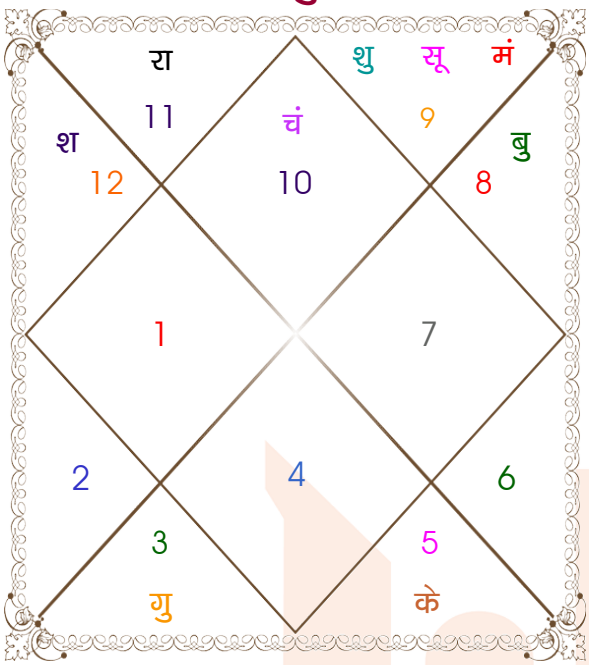

वर्ष चन्द्र कुंडली

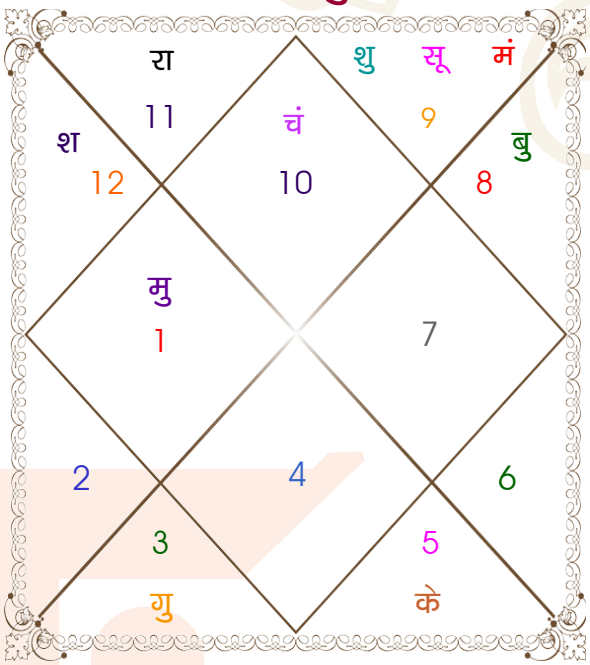

नवमांश कुंडली

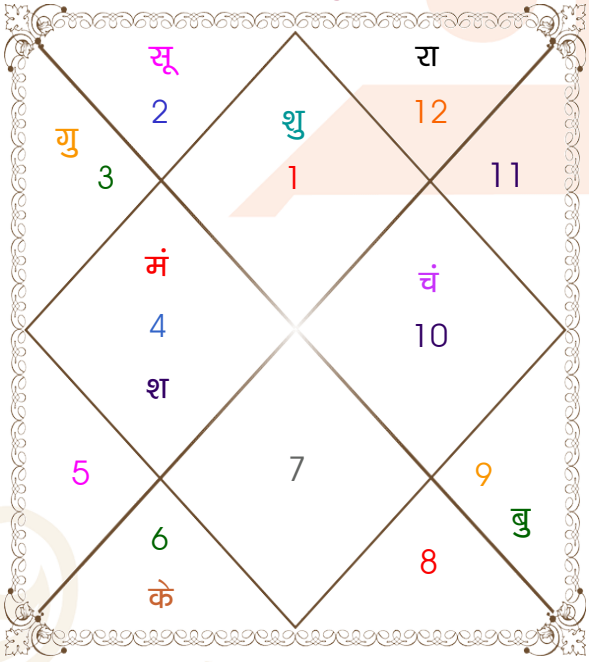

वर्ष नवमांश कुंडली

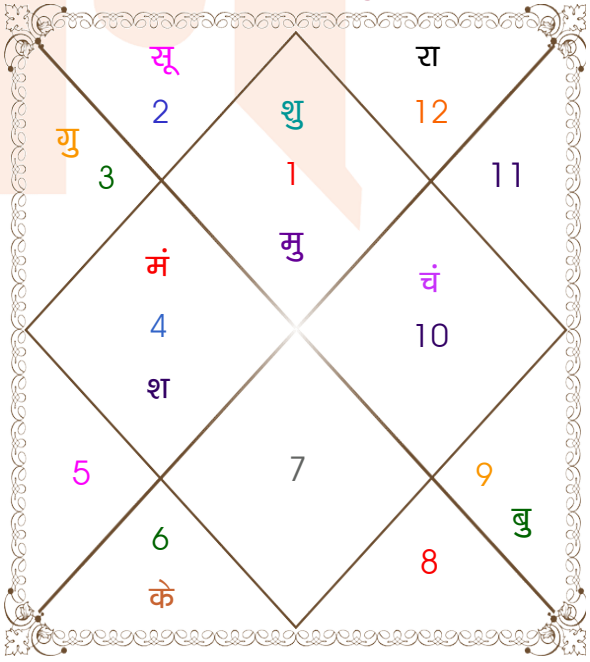

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चन्द्र	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	मित्र
मंगल	शत्रु	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
बुध	सम	मित्र	सम	---	सम	सम	मित्र
गुरु	शत्रु	सम	शत्रु	सम	---	शत्रु	शत्रु
शुक्र	शत्रु	सम	शत्रु	सम	शत्रु	---	शत्रु
शनि	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मेष	धनु	मक	धनु	वृश्चि	मिथु	धनु	मीन
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	मेष	मिथु	मीन	कर्क	सिंह	सिंह	मिथु	मक
चतुर्थांश	मेष	धनु	मक	मीन	वृष	मीन	धनु	मीन
पंचमांश	मेष	कुंभ	वृष	कुंभ	मक	तुला	मेष	वृष
षष्ठांश	मेष	वृष	तुला	मिथु	मक	कन्या	मेष	तुला
सप्तमांश	मेष	मक	कर्क	कुंभ	कन्या	धनु	धनु	कन्या
अष्टमांश	मेष	मिथु	मेष	कर्क	मक	धनु	वृष	वृष
नवमांश	मेष	वृष	मक	कर्क	धनु	मिथु	मेष	कर्क
दशमांश	मेष	कुंभ	कन्या	मीन	मक	मीन	धनु	वृश्चि
एकादशांश	मीन	मक	धनु	मीन	वृष	मीन	धनु	कुंभ
द्वादशांश	मेष	कुंभ	मक	मेष	मिथु	वृष	मक	मीन

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु
होरा	स्व	स्व	शत्रु	सम	सम	शत्रु	मित्र
द्रेष्काण	सम	सम	सम	सम	शत्रु	सम	स्व
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	शत्रु
पंचमांश	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
षष्ठांश	शत्रु	सम	सम	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु
सप्तमांश	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व	स्व	शत्रु	मित्र
अष्टमांश	सम	सम	सम	मित्र	स्व	स्व	शत्रु
नवमांश	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	मित्र
दशमांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु
एकादशांश	शत्रु	सम	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	स्व
द्वादशांश	शत्रु	मित्र	स्व	स्व	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुभ	1	7	1	6	5	1	5
सम	2	5	4	6	4	1	0
अशुभ	9	0	7	0	3	10	7
कुल	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	5	0	0	0	0	0	5
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	0	0
तृतीय बल	0	0	0	5	0	5	0
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	10	0	5	5	5	5	5
बल	सामान्य	अतिक्षीण	क्षीण	क्षीण	क्षीण	क्षीण	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	22.50	7.50	15.00	15.00	7.50	7.50
उच्च बल	6.28	6.52	14.79	12.78	19.26	7.31	5.39
हददा बल	3.75	11.25	3.75	7.50	3.75	3.75	3.75
द्रेष्काण	5.00	5.00	5.00	5.00	2.50	5.00	10.00
नवमांश	1.25	3.75	2.50	2.50	2.50	1.25	3.75
कुल	23.78	49.02	33.54	42.78	43.01	24.81	30.39
विंशोपक	5.94	12.26	8.38	10.69	10.75	6.20	7.60
बल	सामान्य	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	सामान्य	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	मंगल	8.38	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	मंगल	8.38	अतिशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	8.38	अतिशुभ	गुरु
दिवापति	गुरु	10.75	शुभ	
त्रिराशिपति	सूर्य	5.94	अतिशुभ	

सहम

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	वृष	26:02:46	शुक्र	06/06/2026
गुरु	मीन	05:35:58	गुरु	14/06/2026
ज्ञान	मीन	05:35:58	गुरु	14/06/2026
यश	मिथुन	03:07:07	बुध	26/07/2026
मित्र	कन्या	12:22:14	बुध	18/11/2026
माहात्म्य	कन्या	15:46:45	बुध	22/11/2026
आशा	कर्क	29:27:45	चन्द्र	21/08/2026
समर्थ	वृष	00:49:22	शुक्र	12/05/2026
भातृ	कर्क	27:42:28	चन्द्र	19/08/2026
गौरव	कर्क	03:07:07	चन्द्र	21/07/2026
राजा	कर्क	25:46:59	चन्द्र	17/08/2026
पितृ	कर्क	25:46:59	चन्द्र	17/08/2026
मातृ	वृष	29:43:33	शुक्र	09/06/2026
सुत	कन्या	27:26:41	बुध	05/12/2026
जीव	मकर	03:56:16	शनि	05/09/2026
अम्बु	वृष	29:43:33	शुक्र	09/06/2026
कर्म	वृष	21:55:21	शुक्र	02/06/2026
रोग	मिथुन	29:55:32	बुध	25/08/2026
कामदेव	वृष	21:27:11	शुक्र	01/06/2026
कलि	तुला	18:04:30	शुक्र	22/12/2026
क्षेम	तुला	18:04:30	शुक्र	22/12/2026
शास्त्र	मेष	16:52:31	मंगल	04/04/2026
बन्धु	कुम्भ	19:05:34	शनि	31/08/2026
बंधक	मिथुन	12:33:10	बुध	05/08/2026
मृत्यु	धनु	27:41:53	गुरु	24/06/2026

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	मीन	14:49:58	गुरु	20/06/2026
अर्थ	सिंह	17:41:39	सूर्य	04/10/2026
परदारा	मीन	27:08:36	गुरु	29/06/2026
अन्यकर्म	कुम्भ	01:05:10	शनि	18/08/2026
वणिक	मिथुन	12:33:10	बुध	05/08/2026
कार्यसिद्धि	तुला	23:18:08	शुक्र	29/12/2026
विवाह	मकर	02:10:59	शनि	03/09/2026
प्रसूति	वृश्चिक	09:10:29	मंगल	04/01/2027
संताप	वृश्चिक	27:41:53	मंगल	25/01/2027
श्रद्धा	मीन	22:33:01	गुरु	26/06/2026
प्रीति	कुम्भ	10:22:34	शनि	25/08/2026
बल	मिथुन	03:07:07	बुध	26/07/2026
देह	मिथुन	03:07:07	बुध	26/07/2026
जाडय	सिंह	29:37:23	सूर्य	18/10/2026
व्यापार	वृष	21:55:21	शुक्र	02/06/2026
जलपतन	सिंह	29:37:23	सूर्य	18/10/2026
शत्रु	मकर	10:27:20	शनि	10/09/2026
शौर्य	कन्या	15:46:45	बुध	22/11/2026
उपाय	मकर	03:56:16	शनि	05/09/2026
दरिद्रता	वृष	26:02:46	शुक्र	06/06/2026
गुरुता	सिंह	04:19:33	सूर्य	19/09/2026
जलपथ	सिंह	14:21:57	सूर्य	01/10/2026
बंधन	मिथुन	25:24:43	बुध	20/08/2026
कन्या	मीन	01:55:12	गुरु	11/06/2026
अश्व	कर्क	14:38:56	चन्द्र	04/08/2026

वर्ष त्रिपताकी कुंडली

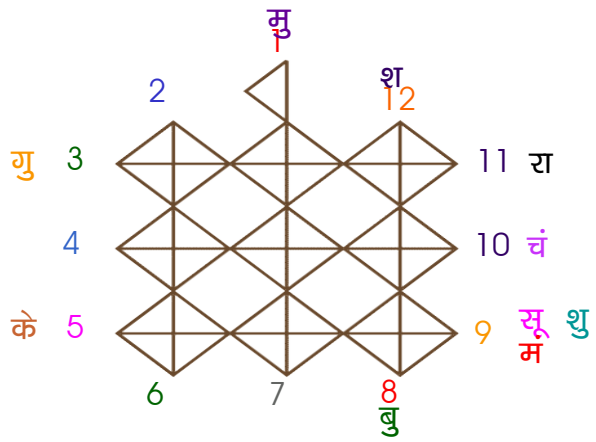

पात्यंश दशा

लग्न		शनि		चंद्र		शुक्र		सूर्य	
22/12/2025		02/01/2026		10/01/2026		13/01/2026		27/01/2026	
02/01/2026		10/01/2026		13/01/2026		27/01/2026		16/03/2026	
	22/12/2025	शनि	02/01/2026	चंद्र	10/01/2026	शुक्र	14/01/2026	सूर्य	03/02/2026
शनि	23/12/2025	चंद्र	02/01/2026	शुक्र	10/01/2026	सूर्य	16/01/2026	मंगल	10/02/2026
चंद्र	23/12/2025	शुक्र	02/01/2026	सूर्य	10/01/2026	मंगल	18/01/2026	बुध	25/02/2026
शुक्र	23/12/2025	सूर्य	03/01/2026	मंगल	11/01/2026	बुध	22/01/2026	गुरु	11/03/2026
सूर्य	24/12/2025	मंगल	05/01/2026	बुध	12/01/2026	गुरु	27/01/2026	लग्न	12/03/2026
मंगल	26/12/2025	बुध	07/01/2026	गुरु	13/01/2026	लग्न	27/01/2026	शनि	14/03/2026
बुध	30/12/2025	गुरु	10/01/2026	लग्न	13/01/2026	शनि	27/01/2026	चंद्र	14/03/2026
गुरु	02/01/2026	लग्न	10/01/2026	शनि	13/01/2026	चंद्र	27/01/2026	शुक्र	16/03/2026

मंगल		बुध		गुरु		गुरु		गुरु	
16/03/2026		14/05/2026		06/09/2026		06/09/2026		06/09/2026	
14/05/2026		06/09/2026		22/12/2026		22/12/2026		22/12/2026	
मंगल	25/03/2026	बुध	19/06/2026	गुरु	07/10/2026	गुरु	07/10/2026	गुरु	07/10/2026
बुध	13/04/2026	गुरु	23/07/2026	लग्न	11/10/2026	लग्न	11/10/2026	लग्न	11/10/2026
गुरु	30/04/2026	लग्न	26/07/2026	शनि	13/10/2026	शनि	13/10/2026	शनि	13/10/2026
लग्न	02/05/2026	शनि	29/07/2026	चंद्र	14/10/2026	चंद्र	14/10/2026	चंद्र	14/10/2026
शनि	03/05/2026	चंद्र	30/07/2026	शुक्र	18/10/2026	शुक्र	18/10/2026	शुक्र	18/10/2026
चंद्र	04/05/2026	शुक्र	03/08/2026	सूर्य	01/11/2026	सूर्य	01/11/2026	सूर्य	01/11/2026
शुक्र	06/05/2026	सूर्य	18/08/2026	मंगल	19/11/2026	मंगल	19/11/2026	मंगल	19/11/2026
सूर्य	14/05/2026	मंगल	06/09/2026	बुध	22/12/2026	बुध	22/12/2026	बुध	22/12/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु		गुरु	
22/12/2025		09/01/2026		09/02/2026		02/03/2026		26/04/2026	
09/01/2026		09/02/2026		02/03/2026		26/04/2026		14/06/2026	
सूर्य	23/12/2025	चंद्र	12/01/2026	मंगल	10/02/2026	राहु	10/03/2026	गुरु	02/05/2026
चंद्र	24/12/2025	मंगल	14/01/2026	राहु	13/02/2026	गुरु	18/03/2026	शनि	10/05/2026
मंगल	26/12/2025	राहु	18/01/2026	गुरु	16/02/2026	शनि	26/03/2026	बुध	17/05/2026
राहु	28/12/2025	गुरु	22/01/2026	शनि	19/02/2026	बुध	03/04/2026	केतु	20/05/2026
गुरु	31/12/2025	शनि	27/01/2026	बुध	22/02/2026	केतु	06/04/2026	शुक्र	28/05/2026
शनि	03/01/2026	बुध	31/01/2026	केतु	24/02/2026	शुक्र	15/04/2026	सूर्य	30/05/2026
बुध	05/01/2026	केतु	02/02/2026	शुक्र	27/02/2026	सूर्य	18/04/2026	चंद्र	03/06/2026
केतु	06/01/2026	शुक्र	07/02/2026	सूर्य	28/02/2026	चंद्र	23/04/2026	मंगल	06/06/2026
शुक्र	09/01/2026	सूर्य	09/02/2026	चंद्र	02/03/2026	मंगल	26/04/2026	राहु	14/06/2026

शनि		बुध		केतु		शुक्र		शुक्र	
14/06/2026		10/08/2026		01/10/2026		22/10/2026		22/10/2026	
10/08/2026		01/10/2026		22/10/2026		22/12/2026		22/12/2026	
शनि	23/06/2026	बुध	18/08/2026	केतु	02/10/2026	शुक्र	02/11/2026	शुक्र	02/11/2026
बुध	01/07/2026	केतु	21/08/2026	शुक्र	06/10/2026	सूर्य	05/11/2026	सूर्य	05/11/2026
केतु	04/07/2026	शुक्र	29/08/2026	सूर्य	07/10/2026	चंद्र	10/11/2026	चंद्र	10/11/2026
शुक्र	14/07/2026	सूर्य	01/09/2026	चंद्र	09/10/2026	मंगल	13/11/2026	मंगल	13/11/2026
सूर्य	17/07/2026	चंद्र	05/09/2026	मंगल	10/10/2026	राहु	22/11/2026	राहु	22/11/2026
चंद्र	22/07/2026	मंगल	08/09/2026	राहु	13/10/2026	गुरु	30/11/2026	गुरु	30/11/2026
मंगल	25/07/2026	राहु	16/09/2026	गुरु	16/10/2026	शनि	10/12/2026	शनि	10/12/2026
राहु	03/08/2026	गुरु	23/09/2026	शनि	19/10/2026	बुध	19/12/2026	बुध	19/12/2026
गुरु	10/08/2026	शनि	01/10/2026	बुध	22/10/2026	केतु	22/12/2026	केतु	22/12/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - गुरु - शनि		सूर्य - गुरु - बुध		सूर्य - गुरु - केतु		सूर्य - गुरु - शुक्र	
22/12/2025 13:28		25/12/2025 22:31		05/02/2026 08:00		22/02/2026 09:05	
25/12/2025 22:31		05/02/2026 08:00		22/02/2026 09:05		12/04/2026 01:53	
	00/00/0000 00:00	बुध	31/12/2025 19:16	केतु	06/02/2026 07:52	शुक्र	02/03/2026 11:53
	00/00/0000 00:00	केतु	03/01/2026 05:13	शुक्र	09/02/2026 04:02	सूर्य	04/03/2026 22:19
	00/00/0000 00:00	शुक्र	10/01/2026 02:48	सूर्य	10/02/2026 00:30	चंद्र	08/03/2026 23:43
	00/00/0000 00:00	सूर्य	12/01/2026 04:28	चंद्र	11/02/2026 10:35	मंगल	11/03/2026 19:54
	00/00/0000 00:00	चंद्र	15/01/2026 15:15	मंगल	12/02/2026 10:27	राहु	19/03/2026 03:13
	00/00/0000 00:00	मंगल	18/01/2026 01:13	राहु	14/02/2026 23:49	गुरु	25/03/2026 15:03
	00/00/0000 00:00	राहु	24/01/2026 06:14	गुरु	17/02/2026 06:21	शनि	02/04/2026 08:07
	22/12/2025 13:28	गुरु	29/01/2026 18:42	शनि	19/02/2026 23:07	बुध	09/04/2026 05:42
गुरु	25/12/2025 22:31	शनि	05/02/2026 08:00	बुध	22/02/2026 09:05	केतु	12/04/2026 01:53

सूर्य - गुरु - सूर्य		सूर्य - गुरु - चंद्र		सूर्य - गुरु - मंगल		सूर्य - गुरु - राहु	
12/04/2026 01:53		26/04/2026 16:31		21/05/2026 00:55		07/06/2026 02:00	
26/04/2026 16:31		21/05/2026 00:55		07/06/2026 02:00		20/07/2026 21:55	
सूर्य	12/04/2026 19:25	चंद्र	28/04/2026 17:13	मंगल	22/05/2026 00:47	राहु	13/06/2026 15:47
चंद्र	14/04/2026 00:38	मंगल	30/04/2026 03:18	राहु	24/05/2026 14:09	गुरु	19/06/2026 12:02
मंगल	14/04/2026 21:05	राहु	03/05/2026 18:58	गुरु	26/05/2026 20:41	शनि	26/06/2026 10:36
राहु	17/04/2026 01:41	गुरु	07/05/2026 00:53	शनि	29/05/2026 13:27	बुध	02/07/2026 15:37
गुरु	19/04/2026 00:26	शनि	10/05/2026 21:25	बुध	31/05/2026 23:25	केतु	05/07/2026 04:59
शनि	21/04/2026 07:57	बुध	14/05/2026 08:12	केतु	01/06/2026 23:16	शुक्र	12/07/2026 12:18
बुध	23/04/2026 09:37	केतु	15/05/2026 18:18	शुक्र	04/06/2026 19:27	सूर्य	14/07/2026 16:54
केतु	24/04/2026 06:05	शुक्र	19/05/2026 19:42	सूर्य	05/06/2026 15:54	चंद्र	18/07/2026 08:33
शुक्र	26/04/2026 16:31	सूर्य	21/05/2026 00:55	चंद्र	07/06/2026 02:00	मंगल	20/07/2026 21:55

सूर्य - शनि - शनि		सूर्य - शनि - बुध		सूर्य - शनि - केतु		सूर्य - शनि - शुक्र	
20/07/2026 21:55		13/09/2026 20:28		02/11/2026 00:14		22/11/2026 06:01	
13/09/2026 20:28		02/11/2026 00:14		22/11/2026 06:01		19/01/2027 01:58	
शनि	29/07/2026 14:41	बुध	20/09/2026 19:36	केतु	03/11/2026 04:34	शुक्र	01/12/2026 21:20
बुध	06/08/2026 09:29	केतु	23/09/2026 16:25	शुक्र	06/11/2026 13:32	सूर्य	04/12/2026 18:44
केतु	09/08/2026 14:24	शुक्र	01/10/2026 21:03	सूर्य	07/11/2026 13:49	चंद्र	09/12/2026 14:24
शुक्र	18/08/2026 18:09	सूर्य	04/10/2026 08:02	चंद्र	09/11/2026 06:18	मंगल	12/12/2026 23:21
सूर्य	21/08/2026 12:05	चंद्र	08/10/2026 10:21	मंगल	10/11/2026 10:38	राहु	21/12/2026 15:33
चंद्र	26/08/2026 01:58	मंगल	11/10/2026 07:10	राहु	13/11/2026 11:30	गुरु	29/12/2026 08:37
मंगल	29/08/2026 06:53	राहु	18/10/2026 16:08	गुरु	16/11/2026 04:16	शनि	07/01/2027 12:22
राहु	06/09/2026 12:40	गुरु	25/10/2026 05:26	शनि	19/11/2026 09:11	बुध	15/01/2027 17:00
गुरु	13/09/2026 20:28	शनि	02/11/2026 00:14	बुध	22/11/2026 06:01	केतु	19/01/2027 01:58

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

इस वर्ष आपकी वर्तमान शीघ्र गति ग्रह सूर्य (धनु 06:29:49), एवं मन्दगति ग्रह मंगल (धनु 11:05:23), के मध्य है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष में आपको संतति से पूर्ण सुख की प्राप्ति होगी तथा यदि संतति प्राप्ति की अपेक्षा कर रहे है तो यह वर्ष आपको पुत्र रत्न की प्राप्ति करायेगा। शिक्षा ग्रहण करने वालों के लिए यह वर्ष इस योग के प्रभाव से विशेष शुभ रहेगा तथा इस क्षेत्र मैं उन्हे वांछित सफलता की प्राप्ति होगी। इस वर्ष सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा एवं राजनीति में सक्रिय हों तो विशिष्ट उन्नति तथा राज्य लाभ के योग बनते हैं।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

नक्त योग मंगल तथा शनि के मध्य है क्योंकि सूर्य शीघ्र गति ग्रह है तथा दोनों को देख रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अविवाहितों का विवाह होगा। साथ ही स्त्री के द्वारा भाग्योन्नति भी हो सकती है। धन वैभव अर्जित करने के लिए भी वर्ष उत्तम होगा तथा स्ववाक्चातुर्य से अपने प्रभाव में वृद्धि करेगें। उच्चाधिकारीवर्ग से आपको इस समय लाभ होगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय है वे राजनैतिक लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

कम्बूल योग मंगल और सूर्य के मध्य बन रहा है क्योंकि चन्द्रमा का सूर्य से इत्थशाल हो रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आप बन्धुवर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेगें तथा आपसी संबन्धों मे मधुरता का भाव होगा। इस समय दूर समीप की लाभदायक यात्राएं भी संपन्न होंगी। साथ ही आप स्वपराक्रम एवं बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संचार सुविधाओं यथा टेलीफोन आदि में वृद्धि होगी तथा यदि प्रकाशन आदि के इच्छुक है तो इस वर्ष में आपको वांछित सफलता मिलेगी।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, कूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

रदद योग की सृष्टि मंगल एवं सूर्य के मध्य हो रही है क्योंकि मंगल सूर्य से युक्त है

इस योग के शुभ प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति में अत्यन्त ही सुदृढ़ता आएगी तथा आय पूर्ण होगी। इस समय आपकी महत्वाकांक्षाएं भी पूर्ण होगी एवं अधिकार सम्पन्न लोंगों से सम्पर्क स्थापित होंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण रूके हुए कार्य आसानी से सम्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपको अचानक धन लाभ के भी बनते है। साथ ही किसी जायदाद की प्राप्ति भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त ज्योतिष एवं पराविद्या के क्षेत्र में आपका रूझान हो सकता है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश बलवान है। अतः कुत्थ योग की सृष्टि हो रही है।

इस योग के प्रभाव से इस वर्ष में आपकी आय में आशातीत वृद्धि होगी जिसके आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। इस समय आपकी महत्वाकाक्षाएं भी पूर्ण होंगी तथा विलम्बित इच्छाओं की पूति में आपको सफलता मिलेगी। साथ ही उच्चधिकार प्राप्त लोगों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने मे आपको सफलता मिलेगी। बडे भाई से इस वर्ष में आपको वांछित सहयोग एवं लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त शुत्रु एवं विपक्ष पर अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे। इसी परिपेक्ष्य में आप कोई मुकद्दमा या चुनाव जीत सकते है या किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते है।

दुरूफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक धार्मिक कार्य कलापों तथा पुण्य संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि होगी एवं भाग्योदय संबधी कोई महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा। इस समय भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा आनन्दपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही किसी शुभ एवं मांगलिक कार्य पर व्यय भी होगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा इस समय व्यापार में आप इच्छित उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही कार्यक्षेत्र में विस्तार या किसी नवीन योजना का शुभारंभ भी होगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी पदोन्नति की संभावनाएं बनेगी। साथ ही मंत्री वर्ग या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा उनसे वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इससे आपके विगत रूके हुए कार्यो में सफलता मिलेगी तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। इस वर्ष में आपको कोई सरकारी या राजनैतिक सम्मान भी प्राप्त होगा। मित्रों एवं संबधियों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा। अतः सम्पूर्ण सुख एवं आनन्द का उपभोग करते हुए आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं सांसारिक महत्व के कार्य उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही आपके सभी रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपको वांछित सुख एवं सहयोग मिलेगा तथा संतति पक्ष से भी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति भी इस समय उत्तम रहेगी तथा आपके सभी कार्य बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके भाग्योदय में भी वृद्धि होगी तथा भौतिक सुख संसाधन तथा वाहनादि को प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा इस समय व्यापार में आपको इच्छित सफलता मिलेगी तथा इसमें विस्तार या नवीन कार्य प्रारंभ होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपकी पदोन्नति होगी फलतः समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश बढ़ेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

प्रथम मास
22/12/2025 13:28:00 से 21/01/2026 00:12:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	00:49:22
सूर्य		धनु	मूल	06:29:49
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:43:13
मंगल		धनु	मूल	11:05:23
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:59:25
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:20:31
शुक्र		धनु	मूल	02:49:02
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:27:25
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:16:03
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:16:03
मुंथा		मेष	अश्विनी	00:49:22

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

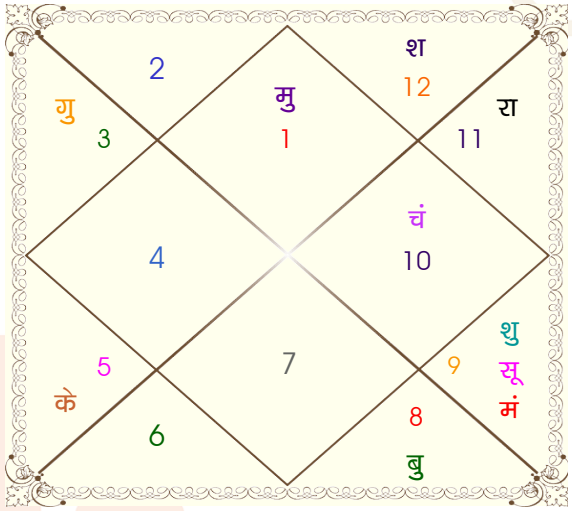

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

21/01/2026 00:12:41 से 19/02/2026 14:30:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	00:22:29
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:29:49
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	29:15:42
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:44:49
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:55:06
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:29:55
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:51:46
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:22:51
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:08:37
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:08:37
मुंथा		मेष	अश्विनी	03:19:22

मासाधिपति

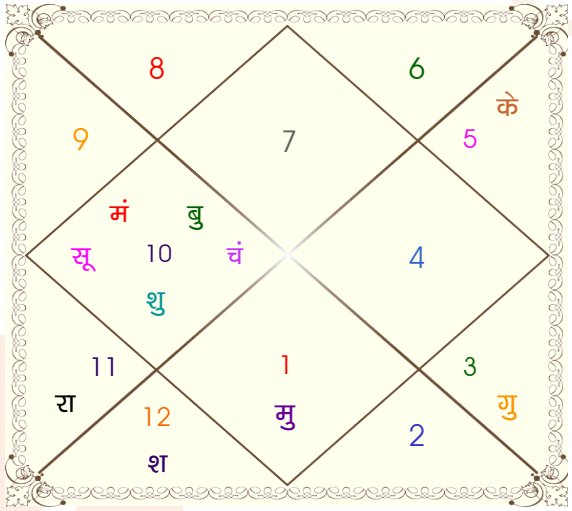

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए काफी अशुभ एवं परेशानी उत्पन्न करने वाला होगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं की ओर से भी नित्य चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। आपके उत्साह में भी इस मास अल्पता रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।जिससे आर्थिक परेशानी हो सकती है।साथ ही आप शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे तथा मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। स्वबन्धुजनों से भी आपके सम्बन्धों में मधुरता का अभाव रहेगा एवं तनाव का भाव रहेगा जिससे मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। अतः मानसिक तनाव से आप ग्रस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से विवाद या संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है अतः सावधानी पूर्वक समय अनुसार चलने का प्रयत्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस मास में अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

तृतीय मास

19/02/2026 14:30:40 से 21/03/2026 13:41:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	19:32:03
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	06:29:49
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:43:26
मंगल		मकर	धनिष्ठा	26:56:14
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:34:48
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:29:54
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	16:58:25
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:22:37
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:43:12
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:12
मुंथा		मेष	अश्विनी	05:49:22

मासाधिपति

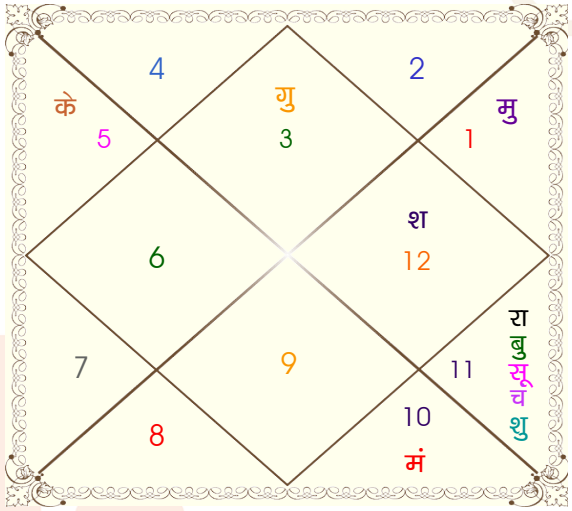

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
21/03/2026 13:41:40 से 21/04/2026 00:54:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	04:23:51
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	06:29:49
चन्द्र		मेष	अश्विनी	06:44:45
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:32:06
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:16:46
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:01:50
शुक्र		मीन	रेवती	24:15:32
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	09:59:35
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:38:49
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:38:49
मुंथा		मेष	अश्विनी	08:19:22

मासाधिपति

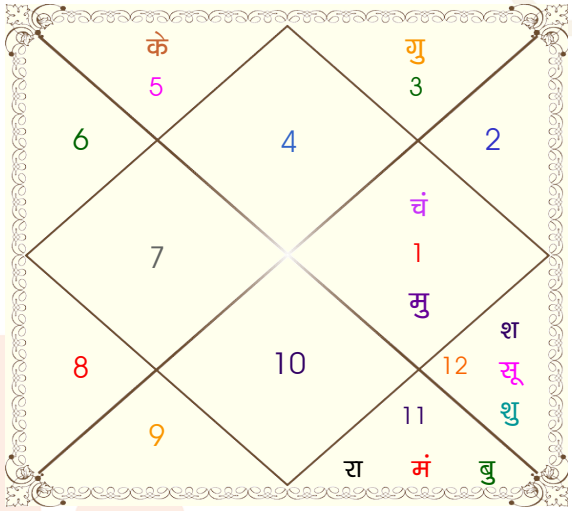

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र, नौकरी या व्यापार में उन्नति होगी तथा समाजिक क्षेत्र में यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा वे सभी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धु जनों से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा परस्पर आपको उचित सहयोग मिलता रहेगा। आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे जो काफी समय से रूके हुए थे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इनकी पूजा तथा सेवा करने में भी आप तत्पर रहेंगे। सन्तति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धुबान्धवों में भी आदर एवं प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। साथ ही आप अपनी असफल आशाओं में भी इस समय सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरक्त मानसिक रूप से भी आप पूर्ण शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है। अतः सावधानी पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें एवं शारीरिक सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

पंचम् मास
21/04/2026 00:54:30 से 22/05/2026 00:10:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:46:09
सूर्य		मेष	अश्विनी	06:29:49
चन्द्र		वृष	रोहिणी	22:34:36
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	14:18:15
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	14:13:34
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:22:42
शुक्र		वृष	कृतिका	01:40:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:44:25
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:17:29
केतु	व	सिंह	मघा	13:17:29
मुंथा		मेष	अश्विनी	10:49:22

मासाधिपति

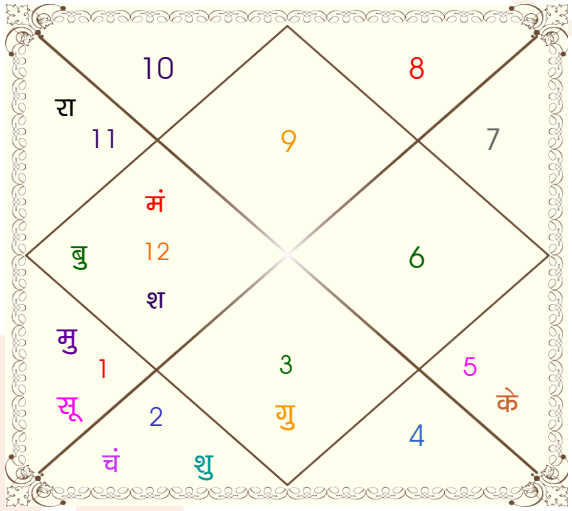

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते है। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

षष्ठ मास

22/05/2026 00:10:13 से 22/06/2026 08:09:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	20:47:16
सूर्य		वृष	कृतिका	06:29:49
चन्द्र		कर्क	पुष्य	15:07:28
मंगल		मेष	अश्विनी	07:54:36
बुध		वृष	रोहिणी	15:08:27
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	27:58:38
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	09:02:08
शनि		मीन	रेवती	17:05:46
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:29:01
केतु	व	सिंह	मघा	10:29:01
मुंथा		मेष	अश्विनी	13:19:22

मासाधिपति

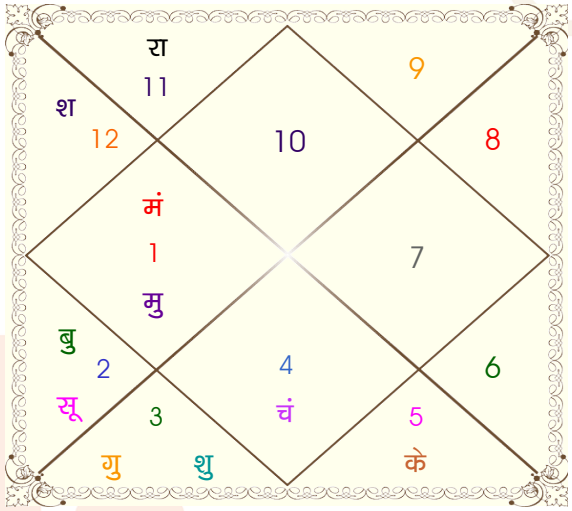

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करगें। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबधी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

सप्तम् मास
22/06/2026 08:09:28 से 23/07/2026 18:59:50 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	11:31:37
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	06:29:49
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:49:42
मंगल		वृष	कृतिका	00:58:00
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	29:49:48
गुरु		कर्क	पुष्य	04:03:07
शुक्र		कर्क	पुष्य	15:48:19
शनि		मीन	रेवती	19:30:54
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:41:39
केतु	व	सिंह	मघा	07:41:39
मुंथा		मेष	भरणी	15:49:22

मासाधिपति

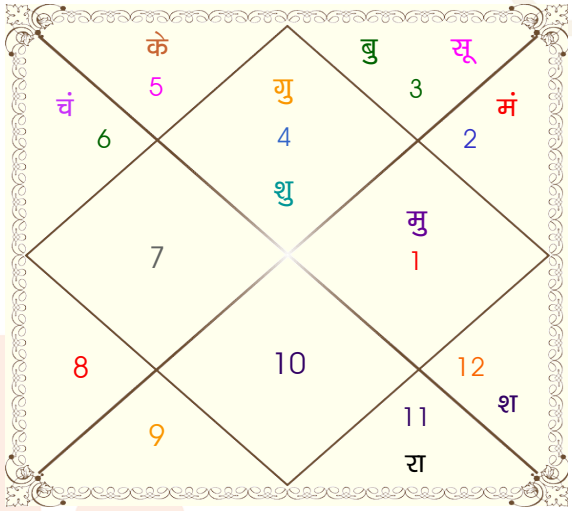

मासाधिपति : मंगल

इस महीने में आप अपने कार्यक्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में पूर्ण सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी।बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे। जिससे मानसिक रूप से प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा निष्ठापूर्वक आप इनकी पूजा एवं सेवा करते रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश फैलेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभयोग बनते रहेंगे। इस मास में आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त विगत असफल अशाओं को पूर्ण करने में भी इस समय आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण लाभार्जन तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ तथा सुखार्जन में भी सफलता प्राप्त करेंगे।अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा भाग्यशाली सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
23/07/2026 18:59:50 से 24/08/2026 01:57:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	02:45:03
सूर्य		कर्क	पुष्य	06:29:49
चन्द्र		तुला	विशाखा	29:59:26
मंगल		वृष	रोहिणी	23:05:41
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:05:36
गुरु		कर्क	पुष्य	10:51:47
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:55:09
शनि		मीन	रेवती	20:30:37
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:59:38
केतु	व	सिंह	मघा	05:59:38
मुंथा		मेष	भरणी	18:19:22

मासाधिपति

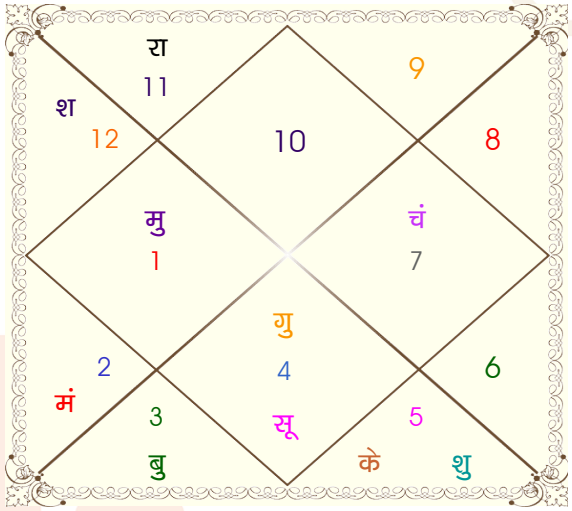

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास

24/08/2026 01:57:36 से 23/09/2026 23:29:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	14:44:14
सूर्य		सिंह	मघा	06:29:49
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:25:07
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	13:56:49
बुध		सिंह	मघा	02:33:00
गुरु		कर्क	आश्लेषा	17:44:09
शुक्र		कन्या	हस्त	22:03:12
शनि	व	मीन	रेवती	19:51:50
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:35:50
केतु		सिंह	मघा	05:35:50
मुंथा		मेष	भरणी	20:49:22

मासाधिपति

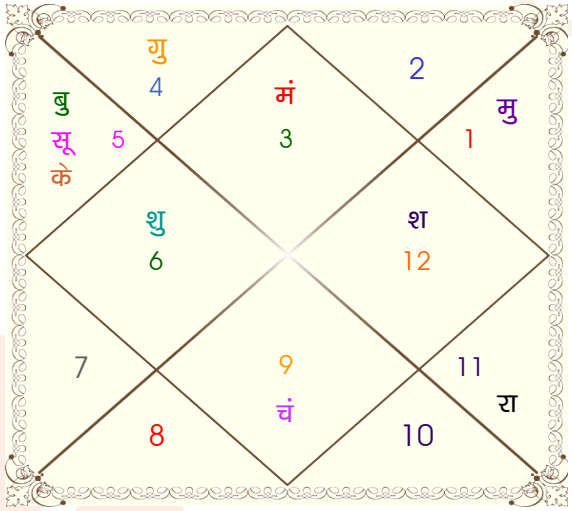

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ फल दायक रहेगा। इस समय महिला वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर सम्पन्न होंगे। इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण शान्ति तथा प्रसन्नता प्राप्त करेंगे।साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में आपके मन में उत्सुकता उत्पन्न होगी। आपके मित्र तथा बन्धु जनों से इस समय मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा सहायता प्राप्त होगी। इस समय आपको इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज में भी आप सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके रूके हुए शुभ कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं सुख साधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे एवं समाज तथा बन्धुवर्ग से पूर्ण सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
23/09/2026 23:29:02 से 24/10/2026 08:44:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	08:45:04
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:29:49
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	00:48:22
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	03:10:46
बुध		कन्या	चित्रा	26:20:12
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:01:31
शुक्र		तुला	स्वाति	12:35:51
शनि	व	मीन	रेवती	17:54:25
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:22:33
केतु		सिंह	मघा	05:22:33
मुंथा		मेष	भरणी	23:19:22

मासाधिपति

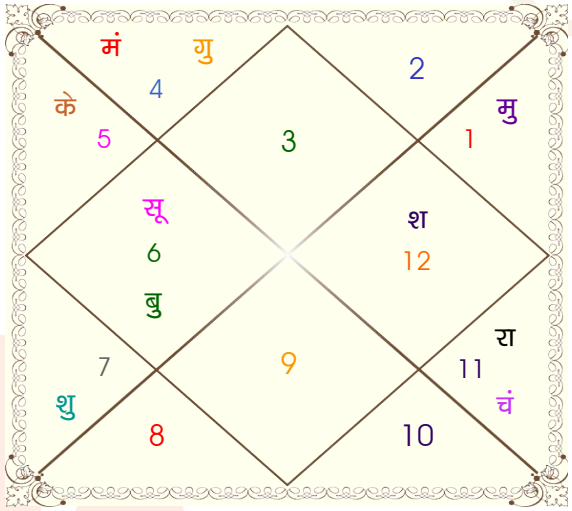

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

एकादश मास
24/10/2026 08:44:45 से 23/11/2026 06:16:37 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	04:58:25
सूर्य		तुला	चित्रा	06:29:49
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	09:55:27
मंगल		कर्क	आश्लेषा	20:19:55
बुध		तुला	विशाखा	26:44:36
गुरु		कर्क	आश्लेषा	29:03:52
शुक्र	व	तुला	चित्रा	06:31:46
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:34:43
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:41:45
केतु	व	सिंह	मघा	03:41:45
मुंथा		मेष	भरणी	25:49:22

मासाधिपति

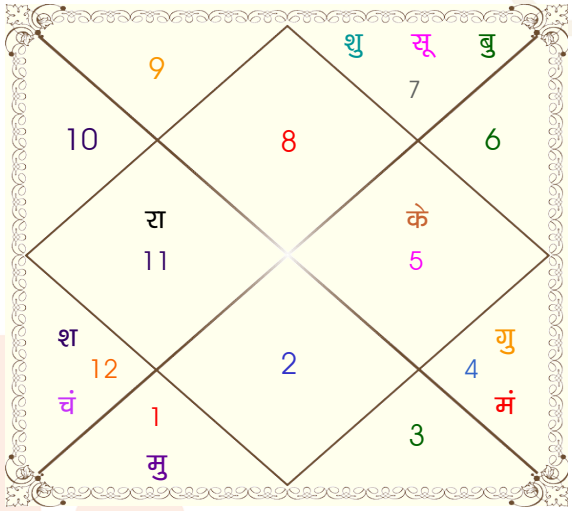

मासाधिपति : मंगल

यह महीना आप के लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक रूप से आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। शत्रुपक्ष भी आपका इस मास में बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे।साथ ही घर में भी किसी प्रकार की चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का तत्परता से पालन करें तथा उनकी किसी भी प्रकार से उपेक्षा न करें अन्यथा आप उनसे दण्ड प्राप्त कर सकते है। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अथक परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को करेंगे जिससे आपको पछताना पड़ेगा तथा सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपका मन मुटाव रहेगा। आपकी इच्छाएं इस समय में पूर्ण नहीं होंगी अतः मानसिक रूप से भी आप कष्ट प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप पत्नी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता होने के कारण बुद्धिचातुर्य से अपने कार्यो को सिद्ध करने में सफल रहेंगे। साथ ही धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा समाज में प्रतिष्ठा भी प्राप्त कर सकेंगे।

द्वादश मास
23/11/2026 06:16:37 से 22/12/2026 19:37:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	28:32:30
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	06:29:49
चन्द्र		मेष	भरणी	14:33:20
मंगल		सिंह	मघा	04:33:52
बुध		तुला	स्वाति	17:10:13
गुरु		सिंह	मघा	02:08:48
शुक्र		तुला	चित्रा	00:10:25
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:59:08
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:28:31
केतु	व	सिंह	मघा	00:28:31
मुंथा		मेष	कृतिका	28:19:22

मासाधिपति

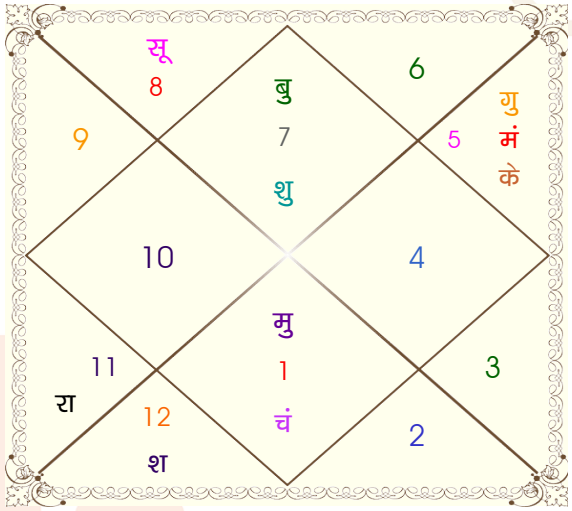

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे या इन्हें भी किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रु पक्ष भी आपसे बलवान रहेगा जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा बाधाएं उत्पन्न होंगी। अतः इनसे आप काफी असुविधा का सामना करेंगे तथा मानसिक रूप से चिन्तित भी रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह के भाव में न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे। इसके साथ ही आपके स्वभाव में लोलुपता के भाव में भी वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग प्राप्त करने में असफल रहेंगे तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त परिवार तथा अन्य सामाजिक जनों से भी विवाद आदि होते रहेंगे। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता के द्वारा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त करेंगे।साथ ही धन तथा सुख प्राप्त करने में भी आपको सफलता मिलेगी। अतः मानसिक रूप से आप अल्प मात्रा में सन्तुष्ट हो सकेंगे।